अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

राष्ट्रीय साधारण सभा

29 अक्टूबर, 2017, अमरावती (महाराष्ट्र)

महामंत्री प्रतिवेदन

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ शिक्षा, शिक्षक एवं समाज के हितार्थ भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीयता के वैचारिक अधिष्ठान को लेकर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों के हितों का संरक्षण करते हुए शैक्षिक उन्नयन एवं सामाजिक सरोकार एवं राष्ट्र भाव को जाग्रत करने के कार्यों में सतत् रूप से कार्यरत है। सितम्बर, 2016 में सम्पन्न राष्ट्रीय साधारण सभा के पश्चात् सम्पन्न महासंघ की प्रमुख गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है –

वैचारिक अधिष्ठान के कार्यक्रम

कर्त्तव्य बोध दिवस

12 जनवरी से 23 जनवरी (स्वामी विवेकानन्द जयन्ती से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती) के मध्य कर्त्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम महासंघ के सभी संबद्ध संगठनों द्वारा सम्पन्न किये गये।

महाविद्यालय एवं विद्यालय स्तर तक की 691 इकाइयों द्वारा कर्त्तव्य बोध कार्यक्रम सम्पन्न किये गये। कार्यक्रमों में शिक्षकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में शिक्षा अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, विद्यार्थी एवं गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता की, जिनकी संख्या लगभग 60,000 रही।

वर्ष प्रतिपदा

वर्ष प्रतिपदा पर शुभेच्छा प्रेषण के अनेक कार्यक्रम महासंघ के कार्यकर्ताओं एवं सम्बद्ध संगठनों द्वारा सम्पन्न किये गये। अनेक स्थानों पर नववर्ष के अवसर पर संगोष्ठियाँ भी आयोजित की गई।

गुरुवन्दन कार्यक्रम

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर महासंघ से सम्बद्ध इकाइयों द्वारा खण्ड/ तहसील एवं महाविद्यालय स्तर तक की इकाइयों द्वारा कार्यक्रम सम्पन्न किये गये।

महर्षि वेदव्यास के प्रेरक जीवन के आलोक में भारतीय शिक्षक परम्पराओं का परिचय कराने के संदर्भ में 21 राज्यों में लगभग 680 स्थानों पर गुरुवन्दन कार्यक्रम सम्पन्न हुए जिनमें 40,000 से अधिक शिक्षक, विद्यार्थी, शिक्षा अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। समाज के अनेक श्रेष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन इन कार्यक्रमों में प्राप्त हुआ।

शाश्वत जीवन मूल्य - जनजागरण अभियान

भारतीय जनमानस की पहचान जिन शाश्वत जीवन मूल्यों से थी, धीरे-धीरे इनका क्षरण हुआ है और हमारी श्रेष्ठ परम्पराएं लुप्त हुई हैं। भ्रष्टाचार का संकट, राष्ट्रीयता का क्षरण, सामाजिक चेतना का अभाव, सांस्कृतिक एवं चारित्रिक संकटों का सामना करने के लिए शाश्वत जीवन मूल्य विषय को आधार बनाकर सम्पूर्ण देश में भारतीय जीवन मूल्यों की श्रेष्ठ परम्परा को सुदृढ़ करने के ध्येय से इसे जन जागरण अभियान के रूप में गत तीन वर्ष से चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से गाँव-गाँव एवं विद्यालय-विद्यालय तक पहुँचने का प्रयास है। इस वर्ष जिला स्तर तक पहुँचने एवं आगामी वर्ष में तहसील/ खंड/ गाँवों एवं विद्यालयों में पहुँचने की योजना बनी है।

'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान

आश्विन कृष्ण पंचमी, विक्रम संवत् 2074 (10 सितम्बर 2017) को तृतीय, अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान समारोह विक्रम संवत् 2074, बेंगलुरू (कर्नाटक) में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह माननीय सुरेश जी जोशी उपाख्य भैय्या जी इस समारोह के मुख्य अतिथि रहे एवं पूज्यनीय स्वामी मंगलानाथानन्द जी (रामकृष्ण मठ, बेंगलुरू) की गरिमामयी उपस्थिति में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

इस भव्य समारोह में 'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान से शिक्षा क्षेत्र में असाधारण योगदान करने वाले शिक्षा-मनीषी प्रो. एम. चिदानन्द मूर्ति (कर्नाटक), प्रो. सतीश चन्द्र मित्तल (उत्तर प्रदेश) तथा प्रो. दयानन्द भार्गव (राजस्थान) को माननीय सुरेश जी जोशी उपाख्य भैय्या जी तथा पूज्य स्वामी मंगलानाथानन्द जी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों सहित विशाल संख्या में शिक्षकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

प्रत्येक शिक्षक को सम्मान में एक रजत चिन्ह एवं एक लाख रूपये की राशि रखी गई है। यह सम्मान पूर्णतया शिक्षकों से मात्र एक बार 100 रुपया प्रति सदस्य एकत्रित की जाने वाली धनराशि से सम्पन्न करने का निर्णय लिया गया है।

राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ

महासंघ से सम्बद्ध संगठनों के आतिथ्य में समसामयिक विषयों को लेकर अनेक राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ सम्पन्न हुई। कुछ उल्लेखनीय निम्न प्रकार है।

- 'अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता' विषय पर राजस्थान में 20 से अधिक स्थानों पर संगोष्ठी सम्पन्न।
- 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत की उच्च शिक्षा का पुनुरूत्थान' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ जोधपुर, उदयपुर, कोटा तथा अलवर में सम्पन्न।
- 'राष्ट्र पुनर्निर्माण में उच्च शिक्षा की भूमिका' विषय पर 6 एवं 7 दिसम्बर 2016 को अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी ललितनारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा, बिहार में सम्पन्न।
- 'उच्च शिक्षा में परीक्षा सुधार' विषय पर महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर (राज.) में सम्पन्न।
- 'भारतीय भाषाएँ और हिन्दी शिक्षण' विषय पर केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा (उत्तर प्रदेश) में सम्पन्न।
- 'माध्यमिक परीक्षा प्रणाली की समीक्षा एवं समुन्नयन' विषय पर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर में सम्पन्न।
- 20 फरवरी 2017 को कोचीन (केरल) में संगोष्ठी सम्पन्न।
- रांची में 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कैसे' विषय पर संगोष्ठी सम्पन्न।
- 'डॉ. भीमराव अम्बेडकर की शिक्षा' विषय पर व्याख्यान किरोडीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में सम्पन्न।
- 'विमुद्रीकरण और आगे क्या ' विषय पर 3 फरवरी 2017 को एक संगोष्ठी आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में सम्पन्न।
- 'विद्यालयी शिक्षा में गुणवत्ता' विषय पर शिमला में 27 अगस्त 2017 को प्रदेश स्तरीय संगोष्ठी सम्पन्न।
- 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता कैसे' विषय पर रांची (झारखण्ड) में 13 अगस्त 2017 को संगोष्ठी सम्पन्न।
- 6 सितम्बर 2017 को 'शिक्षा में राजस्थान के बढ़ते कदम' विषयक शैक्षिक मंथन के सितम्बर, 2017 विशेषांक का विमोचन कार्यक्रम जयपुर (राजस्थान) में सम्पन्न।
- 5 मई 2017 को गुरु गोविन्द सिंह जी के 350 वें प्रकाश उत्सव पर एक व्याख्यान का आयोजन जयपुर में तथा दूसरा व्याख्यान 27 अप्रैल 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय की इकाई द्वारा हंसराज कॉलेज में सम्पन्न हुआ।

- विनोबाभावे विश्वविद्यालय इकाई द्वारा 12 जून 2017 को हजारी बाग में 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शिक्षक संघ की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी सम्पन्न।
- कर्नाटक राज्य महाविद्यालय शैक्षिक संघ द्वारा 25 जून 2017 को 'प्रस्तावित विश्वविद्यालयों के बिल' पर विमर्श सम्पन्न।
- 'शिक्षा क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता' विषय पर पुंछ (जम्मू-कश्मीर) में एक संगोष्ठी सम्पन्न।
- शैक्षिक मंथन के 'कर्तव्य पथ' विशेषांक का विमोचन 11 जनवरी 2017 को राजस्थान की मा. मुख्यमंत्री द्वारा किया गया।
- बंगीय नव उन्मेष प्राथमिक शिक्षक संघ की कोलकता के आशुतोष मेमोरियल हाल में 28 अप्रैल 2017 को 'बंगाल में धार्मिक जनसंख्या के अनुपात में असंतुलन एवं शिक्षा क्षेत्र में इसका प्रभाव' पर संगोष्ठी सम्पन्न
- हिमाचल प्रदेश शिक्षक महासंघ द्वारा 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अधिगम की प्रभावशाली विधियाँ' विषय पर सोलन में 23 अप्रैल 2017 को कार्यशाला सम्पन्न।
- 9 व 10 अक्टूबर 2017 को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उत्तर प्रदेश द्वारा 'शिक्षा समग्र एवं व्यापक' विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी लखनऊ में सम्पन्न।
- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ गुजरात इकाई द्वारा अहमदाबाद में 'सी.आर.सी एवं बी.आर.सी.' विषय पर कार्यशाला सम्पन्न।
- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश एवं लखनऊ विश्वविद्यालय इकाई द्वारा 'सामाजिक समरसता' विषय पर 22 अप्रैल 2017 को लखनऊ में संगोष्ठी सम्पन्न।
- रूक्टा (राष्ट्रीय) राजस्थान द्वारा महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर में दिनांक 9 से 11 जून 2017 तक राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों पर कार्यकर्ताओं के वैचारिक प्रबोधन के लिए विचार वर्ग आयोजित।

प्रकाशन

- शैक्षिक मन्थन मासिक का पिछले 11 वर्षों से नियमित प्रकाशन।
- गुरु गोविन्द सिंह जी के 350 वें प्रकाश पर्व पर 'सवा लाख से एक लड़ाऊँ' पुस्तक का प्रकाशन। लेखक- श्री हनुमान सिंह राठौड़

सामाजिक सरोकार

सम्बद्ध संगठनों द्वारा समाज से जुड़ने के अनेक कार्यक्रम जैसे प्रतिभा सम्मान समारोह, सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान, विद्यार्थियों के लिए व्यक्तित्व विकास शिविर, समरसता दिवस कार्यक्रम, रक्तदान शिविर, पोधारोपण कार्यक्रम, जल संरक्षण आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग

कार्यकर्ताओं की गुणवत्ता, कार्यशैली, कार्य व्यवहार तथा ध्येय स्मरण हेतु राज्यों एवं विश्वविद्यालयों में विभिन्न स्तरों पर कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया।

शिक्षा समूह बैठक

महासंघ के प्रतिनिधियों ने 22 एवं 23 जुलाई 2017 को दिल्ली में सम्पन्न शिक्षा समूह बैठक में भाग लिया तथा विभिन्न विषयों पर महासंघ का दृष्टिकोण रखा। 'यू.जी.सी. व मानव संसाधन विकास केन्द्र-दशा एवं एवं दिशा' पर महासंघ द्वारा विशेष प्रस्तुतीकरण दिया गया।

महिला समन्वय

अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीय दृष्टिकोण रखने वाले संगठनों की महिला कार्यकर्ताओं के प्रबोधन हेतु सम्पन्न होने वाली समन्वय बैठक में महासंघ से सम्बद्ध संगठनों की 09 महिला कार्यकर्ताओं ने सहभाग किया। इस वर्ष यह बैठक 9-10 सितम्बर 2017 को मुम्बई में सम्पन्न हुई।

नवीन शिक्षा नीति

महासंघ के राज्य स्तरीय संगठनों एवं विश्वविद्यालय स्तरीय संगठनों द्वारा नवीन शिक्षा नीति पर बड़ी संख्या में संगोष्ठियों, परिचर्चाओं एवं विमर्शों का आयोजन किया गया तथा उनसे प्राप्त निष्कर्षों को मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया।

संगठनात्मक पहल

सम्बद्धता - महासंघ द्वारा 1. गुरु जम्भेश्वर यूनीवर्सिटी ऑफ साइन्स एण्ड टैक्नोलोजी संघ, हिसार (हरियाणा) 2. दीनबन्धु छोटूराम यूनीवर्सिटी शैक्षिक संघ, रोहतक (हरियाणा) 3. हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ, महेन्द्रगढ़, 4. एस.के. राजस्थान एग्रीकलचर यूनीवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (राष्ट्रीय), बीकानेर, 5. महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसियेशन, बीकानेर तथा 6. छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ को इस सत्र में सम्बद्धता प्रदान की गई।

पूर्णकालिक एवं विस्तारक योजना - महासंघ के कार्यवृद्धि हेतु पूर्णकालिक कार्यकर्ता तथा विस्तारक योजना स्वीकार करते हुए ऐसे कार्यकर्ताओं की पहिचान करने एवं उनकी सूची बनाने का निर्णय लिया गया। इस कार्य के लिए आवश्यक साहित्य तैयार करने की आवश्यकता भी महसूस की गई। कार्यकर्ताओं की पहिचान करने एवं सूची बनाने का कार्य प्रारम्भ हुआ है।

माननीय मुकुन्दराव कुलकर्णी स्मृति ग्रन्थ - महासंघ के संस्थापक माननीय मुकुन्दराव कुलकर्णी जी के अभूतपूर्व योगदान को लिपिबद्ध करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए एक स्मृति ग्रन्थ के प्रकाशन की योजना बनाई गई है।

शिक्षक सम्मान निधि - 'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान के लिए एक अक्षय कोष की स्थापना की गई है। प्रत्येक शिक्षक से 100 रुपया एकत्रित कर इस अक्षय कोष में निधि जमा की जा रही है। कई सम्बद्ध संगठनों ने यह निधि एकत्रित कर जमा की है। शेष संगठन यह निधि शीघ्र एकत्रित कर इसमें जमा करायेंगे।

डेटा बैंक - राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षकों का डेटा बैंक बने, इसकी प्रगति अत्यन्त धीमी है। सभी से आग्रह है कि इस कार्यक्रम को गति प्रदान करें।

महिला कार्यकर्ता वर्ग - 17 एवं 18 दिसम्बर, 2016 को बडौदरा (गुजरात) में दो दिवसीय महिला कार्यकर्ताओं का वर्ग सम्पन्न हुआ। इस वर्ग में 11 राज्यों की 86 महिला कार्यकर्ताओं ने सहभाग किया। राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय तरूणी प्रमुख माननीया भाग्यश्री साठे का दोनों दिन मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

केन्द्रीय कार्यकर्ता बैठक - 19 एवं 20 दिसम्बर 2016 को वड़ोदरा (गुजरात) में महासंघ की केन्द्रीय कार्यकर्ता बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें केन्द्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ-साथ भावी कार्यक्रमों एवं महासंघ की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने की योजना पर मन्थन हुआ।

शिक्षक समस्याओं का समाधान

मांग पत्र प्रस्तुत करना - अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा एक 20 सूत्रीय एकीकृत ज्ञापन माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय विकास मंत्री भारत सरकार को सौंपा गया। विद्यालयीन शिक्षकों की शिक्षा को लेकर 18 सितम्बर 2017 को 18 सूत्रीय माँग पत्र देश भर के लगभग 400 जिलों में दिया गया। ये ज्ञापन जिला कलक्टर के माध्यम से माननीय

प्रधानमंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्री, राज्यों के मुख्य मंत्री एवं शिक्षा मंत्री को दिया गया। उच्च शिक्षा का 11 सूत्रीय माँग-पत्र माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री भारत सरकार तथा प्रदेशों के माननीय मुख्यमंत्रियों एवं शिक्षा मंत्रियों को प्रस्तुत किया गया।

माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री से भेंट - महासंघ द्वारा सौंपे गये माँग पत्र पर मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर जी, मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री (उच्च शिक्षा) डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय जी एवं विभाग के अधिकारियों के साथ महासंघ के प्रतिनिधि मंडल की 12 नवम्बर 2016, 3 मई 2017, 21 जुलाई 2017 की वार्ता हुई। वार्ता सोहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। शिक्षक समस्याओं के अनेक विषयों पर मंत्री महोदय का मत बहुत सकारात्मक रहा। कतिपय विषयों पर सहमति भी व्यक्त की, ये निम्न हैं -

- नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार के प्रावधानों पर पुनर्विचार करना।
- 2004 से पूर्व सेवा में आये सभी शिक्षकों को संस्थान बदलने पर पुरानी पैंशन योजना लागू रखना।
- सातवें वेतनमान को सम्पूर्ण देश में एक समान रूप से लागू करने के लिए केन्द्र से एडवायजरी भेजना।
- सभी स्तरों पर शिक्षकों की नियमित नियुक्ति सुनिश्चित करना।
- प्राचार्यों का कार्यकाल में वृद्धि करना।
- ए.पी.आई. को व्यावहारिक बनाना अथवा वैकल्पिक व्यवस्था देना।
- अनुदानित विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों के वेतन भुगतान के लिए डाइरेक्ट डेविट ट्रान्सफर पद्धति अपनाना।
- कार्यरत शिक्षकों के पीएच.डी. कोर्स वर्क की अवधि को अध्ययन अवकाश में सम्मिलित करना।
- सेवानिवृत्ति आयु एक समान 65 वर्ष करना।
- प्राथमिक शिक्षा मातृ-भाषा में देना।
- पीएच.डी. गाइड नियमों को सरल बनाना।

उपर्युक्त में से कुछ के सम्बन्ध में आदेश भी प्रसारित हुए हैं।

इसी प्रकार राज्य संगठनों एवं विश्वविद्यालय संगठनों ने अनेक समस्याओं को लेकर शासन को ज्ञापन, विरोध प्रदर्शन, धरने एवं सामूहिक अवकाश आदि आंदोलन किये। कतिपय उल्लेखनीय कार्यक्रम निम्न प्रकार हैं-

- राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) द्वारा 7 नवम्बर 2016को उच्च शिक्षा में कार्यरत 3500 शिक्षकों ने पदनाम परिवर्तन को लेकर रैली निकालकर मुख्यमंत्री निवास पर विशाल प्रदर्शन किया। 55 वें प्रान्तीय अधिवेशन के अवसर पर 11 जनवरी 2017 को प्रदेश की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने पदनाम परिवर्तन की घोषणा की और कहा कि अब कॉलेज व्याख्याता, सहायक प्रोफेसर, सह प्रोफेसर तथा प्रोफेसर होंगे।
- कर्नाटक राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा पदोन्नति एवं नई भर्ती आदि माँगों को लेकर विभिन्न जिलों में ज्ञापन तथा शिक्षा मंत्री को भी ज्ञापन प्रस्तुत किया।
- देशीय अध्यापक परिषद (NTU), केरल द्वारा शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर तिरूवन्तपुरम में सचिवालय पर रैली की एवं धरना दिया।
- कर्नाटक राज्य महाविद्यालय शैक्षिक संघ (KRMSS) द्वारा यू.जी.सी. नियमों को शिक्षकों के अनुकूल बनाने की माँग की।

- एनडीटीएफ के प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न समस्याओं को लेकर मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर से वार्ता की। एन.डी.टी.एफ. ने दिल्ली सरकार की कोटा राजनीति का किया विरोध।
- दिल्ली अध्यापक परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री को ज्ञापन सौंपा एवं वार्ता की। दिल्ली अध्यापक परिषद के प्रतिनिधि मंडल ने विभिन्न माँगों के सन्दर्भ में उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल से भेंट की।
- महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ, बडौदा द्वारा गुजरात राज्य के माननीय मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री से भेंटकर शिक्षक समस्याओं पर वार्ता की।
- हिमाचल प्रदेश शिक्षक महासंघ द्वारा विभिन्न माँगों को लेकर शासन को ज्ञापन प्रस्तुत किया।
- राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) द्वारा 26जिलों में छठे वेतनमान की विसंगतियों को दूर करने के सम्बन्ध में ज्ञापन प्रस्तुत किये तथा राज्य के शिक्षा मंत्री से वार्ता की। इसी प्रकार सातवें वेतन आयोग लागू करने के लिए ज्ञापन प्रस्तुत किये। विभिन्न माँगों को लेकर दौसा एवं जोधपुर में धरना–प्रदर्शन।
- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, गुजरात द्वारा विभिन्न माँगों को लेकर शिक्षा मंत्री से भेंट की तथा क्षेत्रीय विधायकों को ज्ञापन प्रस्तुत किया।
- महाराष्ट्र राज्य मान्य खाजगी प्राथमिक शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर महासंघ द्वारा अतिरिक्त शिक्षकों के समायोजन तथा माँगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया।
- उस्मानिया विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ, तेलंगाना द्वारा सातवें वेतनमान के समक्ष प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।
- आन्ध्रप्रदेश में विभिन्न माँगों को लेकर जिला केन्द्रों पर धरना दिया गया।
- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ झारखण्ड द्वारा विभिन्न माँगों को लेकर मुख्यमंत्री से भेंट एवं वार्ता की।
- मध्यप्रदेश शिक्षक संघ द्वारा विभिन्न माँगों को लेकर भोपाल में 30 नवम्बर 2016को 10,000 शिक्षकों का विशाल प्रदर्शन हुआ। 5 सितम्बर 2017 को 5 सूत्रीय ज्ञापन पर मा. मुख्यमंत्री जी के साथ वार्ता सोहार्दपूर्ण सम्पन्न, उसी दिन मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा शिक्षक दिवस कार्यक्रम में समाधान हेतु घोषणा।
- सरगुजा विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ, छत्तीसगढ़ द्वारा सातवें वेतनमान को लेकर ज्ञापन प्रस्तुत किया।
- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उत्तरप्रदेश द्वारा विभिन्न माँगों को लेकर शासन को ज्ञापन प्रस्तुत किया।
- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उत्तराखण्ड द्वारा विभिन्न माँगों को लेकर सरकार को ज्ञापन प्रस्तुत किया।
- आल जम्मू कश्मीर एण्ड लद्दाख टीचर्स फैडरेशन द्वारा शिक्षकों की समस्याओं को लेकर शिक्षामंत्री से भेंट कर वार्ता की तथा अधिकारियों के साथ एक शिष्ट मंडल मिला।
- ओडिशा उच्च शिक्षा संवर्ग द्वारा भुवनेश्वर में राजभवन के समक्ष महाविद्यालयीन शिक्षा के उडिया एवं संस्कृत विषय रखे जाने हेतु धरना दिया एवं ज्ञापन प्रस्तुत किया।
- आन्ध्र प्रदेश उपाध्याय संघ द्वारा जिला केन्द्रों पर सरकार की गलत नीतियों के विरुद्ध धरना प्रदर्शन।
- अनेक सम्बद्ध संगठनों द्वारा चीनी वस्तुओं के बहिष्कार के लिए जनजागरण अभियान चलाया गया एवं चीनी वस्तुओं के बहिष्कार का संकल्प लिया।

भवदीय

जगदीश प्रसाद सिंघल

महामंत्री